notified price could be possible depending on market forces. As and when the changes in input costs come to the notice of the Government, necessary corrective action is taken. Whenever any defiance of Government fixed prices of formulations comes to the notice of the Government, action is taken in accordance with the provisions of DPCO, 1987.

(c) to (e) Prices of bulk drugs namely Ampicillan Trihydrate, Ampicillin Anhydrous and Amoxycillin Trihydrate were reduced on 21.3.89 and prices of ceiling packs revised subsequently. In case of Doxycycline there was no ceiling pack under DPCO, 1987, as such no suo-moto aciton was taken to revise the prices of formulations.

Increase in Imports of Drugs, Formulations and Intermediates

395. SHRI H. HANUMANTHAPPA:
SHRI RAJNI RANJAN SAHU:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that import of bulk drugs, formulations and intermediates have gone up during 1990-91 and 1991-92 as compared to 1987-88;

(b) if so, what are the details of import in terms of quantity and value, yearwise;

(c) whether it is a fact that phased manufacturing programmes have not been enforced and have been extended, basic production has not been encouraged and frequent and prompt price increase have been allowed to drugs based on imported intermediates as compared to drugs produced from basic stages;

(d) if so, the names of drugs being produced from imported intermediate where price increase was allowed after Drug Policy, 1986 earlier price, present price and percentage increase;

(e) whether Government have taken any remedial measure to review the decision; and

(f) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b) Information to the extent available has been collected from the office of DC(I) and is given at statement (see below). Imports have gone up due to various reasons like (i) increase in domestic consumption of drugs, (ii) use of part of the imports from export production which has increased considerably and (iii) exchange rate variation.

(c) to (f) While basic stage manufacture is being enforced when industrial approvals are being given for the manufacture of bulk drugs, relaxation for manufacture from imported intermediates had been extended in some cases for eg. Rifampicin and Dexamethasone, due to various reasons like technology constraints, economic viability etc. The details of price revisions allowed for these drugs after the amendment of Drug Policy, 1986 are given below:

Name	Price(Rs/Kg)	Date
1. Rifampicin	3000.00	22.1.87
	2500.00	28.9.88
	3500.00	29.6.89
	3850.00	26.2.91
	5201.00	30.8.91
	4946.00	24.1.92
	5795.00	4.8.92
	Price (Rs./Gram)	
2. Dexamethasone	66.51	14.12.88
	92.00	10.11.89
	135.33	30.08.91
	164.00	28.12.92

As the above data indicates, the prices have increased/decreased from time to time and have been in accordance with the provision of the DPCO (1987).

Statement

Comparative Statement of CIF Value of Import of Bulk Drugs, Formulations and Intermediates

(Rs. in crores)

Year	Number of Consignments Imported	Bulk Drugs	Formulations	Intermediates	Total
1987-88	23439	223.44	31.32	50.72	305.48
1990-91	20310	322.57	84.94	176.70	584.21
1991-92	18265	458.51	96.12	243.75	798.38

उर्वरकों पर दी जाने वाली राज सहायता को कम किया जाना

396. **श्री दिग्विजय सिंह:**
श्री अनन्तराम जायसवाल:
श्री सत्य प्रकाश मालवीय:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या खाद पर राज सहायता में कमी कर देने के बाद खाद के दामों में भारी गिरावट आयी है जिसका असर उत्पादन पर पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने खाद की बिक्री और उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई नीति बनायी है;

(ग) क्या सरकार ने खाद पर दी जाने वाली राज सहायता को पूरी तरह से समाप्त करने का अन्तिम निर्णय ले लिया है; और

(घ) यदि हां, तो इसका देश में कृषि उत्पादन पर क्या असर पड़ेगा?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) और (ख) 25.8.1992 को फास्फेटिक एवं पोटेशिक उर्वरकों के अनियंत्रण के बाद खुले बाजार में उनकी कीमतों में बढ़ोत्तरी दर्ज की गयी। तथापि, 25.8.1992 को यूरिया के सांविधिक उपभोक्ता मूल्य में 10% की कमी की गयी। सरकार ने उचित लागत पर फास्फेटिक उर्वरकों के अधिकतम उत्पादन को सुनिश्चित करने के लिए अनेक उपाय किये हैं।

(ग) जी, नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

उर्वरक उद्योग को रियायती दर पर पदार्थ की आपूर्ति

397. **श्री राम नरेश यादव**: क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश के उर्वरक उद्योगों को रियायती दरों पर किन-किन पदार्थों की आपूर्ति की जाती है;

(ख) इन उद्योगों को क्या-क्या सुविधाएं दिये जाने की संभावना है; और

(ग) पिछले वर्ष से आज तक उत्तर प्रदेश को कितनी सहायता दी गई है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) नेफथा, निम्न सल्फर हैवी स्टाक (एलएसएचएस) तथा फर्नेस तेल वे इनपुट हैं जिनकी आपूर्ति उर्वरक एककों को रियायती दरों पर की जाती है।

(ख) उर्वरक मूल्य निर्धारण के लिए संयुक्त संसदीय समिति की संस्तुतियों के आधार पर, उर्वरक उद्योग को निम्नलिखित रियायतें प्रदान की गई हैं:—

(1) फास्फोरिक एसिड, जो कि डाई-अमोनियम फास्फेट (डीएपी) के उत्पादन के लिए एक कच्चा माल है, के आयात पर 15% सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया है।

(2) डीएपी तथा काम्पलैक्स उर्वरकों के लिए कच्चे माल तथा मध्यवर्तीयों के आयात के लिए, विदेशी मुद्रा सरकारी दरों पर उपलब्ध करायी जा रही है।

(3) नए उर्वरक संयंत्रों तथा पुराने संयंत्रों के